बारबाडोस चेरी की खेती कैसे करें

डॉ. हरेंद्र (एमएससी एग्री. पीएच.डी. और नेट)
असिस्टेंट प्रोफेसर (हॉर्टिकल्चर)
आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, मध्य प्रदेश
डॉ. अभिनव कुमार (एमएससी एग्री. पीएच.डी. और नेट)
असिस्टेंट प्रोफेसर (हॉर्टिकल्चर)
भगवंत यूनिवर्सिटी अजमेर, राजस्थान

बारबाडोस चेरी वानस्पतिक रूप से मालपीघिया प्यूनिसिफोलिया के नाम से जाना जाता हैं। यह मालपीघियासी कुल का फल वाला पेड़ हैं यह वेस्ट इंडियन चौरी के रूप में भी जाना जाता हैं। जैसा कि नाम से ही ज्ञात है कि इस का उत्पत्ति स्थान बारबाडोस वेस्टइंडीज को माना जाता है।इसका पेड़ मध्यम आकार का झाड़ीनुमा होता हैं तथा यह उष्ठ जलवायु में अच्छी तरह फलने फूलने वाला फल हैं। बारबाडोस चौरी मुख्य रूप से घर के बाहर पड़ी अतिरिक्त भूमि में किचन गार्डन के रूप में उगाए जाने वाला फल है तथा इसके लिए उचित जल निकास वाली मृदा अच्छी मानी जाती है। बारबाडोस चेरी में विटामिन सी की मात्रा अन्य फलों की अपेक्षा सबसे अधिक 1000 से लेकर 4000 मिलीग्राम प्रति 100 ग्राम तक होती है।

रोपाई की विधि

मुख्य रूप से बारबाडोस चेरी को बीज के द्वारा ही उगाया जाता है इसके लिए बीज को अच्छी प्रकार से तैयार क्यारियों में बोया जाता है तथा जब 2 से 4 महीने पुराने बीज के पौधे तैयार होते हैं फिर उनको उचित दूरी पर रोप दिया जाता है इसके अतिरिक्त वानस्पतिक प्रवर्धन के द्वारा भी बारबाडोस शायरी को लगाया जाता है जिसमें हार्डवुड कटिंग सबसे अच्छी मानी जाती है इसके अलावा एयर लेयरिंग या गूटी बांधकर भी बारबाडोस चेरी की सफलतापूर्वक खेती की जा सकती है इसके लिए आईबीए के घोल से पहले कलम को उपचारित कर लेते हैं उसके बाद रोपण का कार्य प्रारंभ करते हैं। प्रारंभ में छोटे पौधों को अथवा कलम को सीधे सूर्य के प्रकाश अथवा गर्मी से बचाने के लिए प्लास्टिक की मल्चिंग भी कर सकते हैं। रोपाई करने के लिए गड्ढों को अच्छी तरह के अच्छी तरह से तैयार करते हैं जिसमें गड्ढों का आकार 1 गुना 1 गुना 1 मीटर 3 रखा जाता है गड्ढों को भरते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि नीचे की मिट्टी ऊपर तथा ऊपर की मिट्टी नीचे अच्छी तरह से भरी गई हो तथा गड्ढों में 10 किलोग्राम गाय के गोबर की खाद भी अच्छी तरह मिश्रित करके भरा गया हो बुवाई के बाद मल्चिंग की क्रिया अवश्य की जानी चाहिए मल्चिंग में सूखी पत्तियां का प्रयोग कर सकते हैं मल्चिंग करने से भूमि के अंदर की नमी संरक्षित रहती है सामान्यतः बुवाई का उपयुक्त समय जुलाई से लेकर दिसंबर तक बारबाडोस चेरी के लिए अच्छा माना जाता है।

किस्में

बारबाडोस चेरी में सामान्यतः दो प्रकार की किस्मों का प्रयोग किया जाता है जिसमें एक गुलाबी फूल वाली किस्में होती हैं तथा दूसरी सफेद फूल वाली किस्में होती है गुलाबी किस्मों में फल का आकार बड़ा होता है यह लगभग 6 ग्राम तक हो सकता है वही सफेद फूल वाली किस्मों में फल का आकार छोटा होता है यह लगभग 1 ग्राम तक होता है तथा सफेद फूल वाली किस्मों में फल नारंगी रंग के आताहैं।

सिंचाई

बारबाडोस चेरी में सिंचाई पहले 1 साल तक 4 दिन के अंतराल पर करते रहना चाहिए इसके बाद जब पौधा 1 साल

से ज्यादा उम्र का हो जाता है तब 7 से 10 दिन के अंतराल पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए।

पोषक तत्वों का प्रबंधन

बड़े आकार के बारबाडोस के वृक्षों में सौ ग्राम नाइट्रोजन 150 ग्राम फास्फोरस 250 ग्राम पोटाश प्रति पौधा प्रयोग किया जाना चाहिए इसके लिए इनकी आधी मात्रा का प्रयोग जून–जुलाई में तथा आधी मात्रा को जनवरी के महीने में जब मृदा के अंदर पर्याप्त मात्रा में नमी हो प्रयोग किया जाना चाहिए।

कीट रोग व खरपतवारओं का नियंत्रण

बारबाडोस चेरी में जहां तक बात कीट, रोग व खरपतवारओं की है तो इसमें सामान्यतया कीट, रोग व खरपतवारओं का आक्रमण बहुत ही कम होता है समय–समय पर पौधे के नीचे जड़ वाले भाग पर अच्छी प्रकार से निराई–गुड़ाई करके साफ सफाई कर देनी चाहिए तथा कीट व रोग के नियंत्रण हेतु एकीकृत कीट प्रबंधन व रोग प्रबंधन किए जाने चाहिए।

फलना फूलना

सामान्यतया बारबाडोस चेरी का पौधा बुवाई के 2 साल बाद फलने फूलने लगता है और अगर पौधे को कलम के द्वारा तैयार किया गया है तो यह सामान्यतया रोपाई के 6 महीने के अंदर ही फलने फूलने लगता है बारबाडोस चेरी में फूल मई से लेकर अगस्त तक आते हैं तथा फल अक्टूबर–नवंबर में तोड़ने योग्य हो जाते हैं कभी–कभी किसी विशेष स्थान पर बारबाडोस चेरी में फूल मार्च में भी देखे जाते हैं तथा फल अप्रैल–मई में तोड़ने योग्य हो जाते हैं।

उपज

बारबाडोस चेरी में औसत उपज चौथी साल से अच्छी तरह आने लगती है और यह लगभग 2 किलोग्राम प्रति पौधा तक हो सकती है।

फलों का प्रसंस्करण

बारबाडोस चेरी को सीधे ही ताजे रूप में इसके अतिरिक्त इनसे विभिन्न प्रकार के पदार्थ जैसे पेय पदार्थों में जूस आरटीएस स्क्वैश तथा सिरप व अन्य पदार्थों में जाम, जैली व मुरब्बा आदि पदार्थ बनाए जा सकते हैं बारबाडोस चौरी विटामिन सी का प्रमुख स्रोत होता है तथा यह अन्य फलों की अपेक्षा सबसे अधिक विटामिन सी प्रदान करता है। इसके फल बहुत ही आकर्षित होते हैं तथा इनसे बनने वाले पदार्थ भी बहुत आकर्षित साथ ही साथ स्वादिष्ट तथा स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत अच्छे माने जाते हैं।